3

हम हैं नन्हे-नन्हे बच्चे

20/4/21

3. सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

क. क्या बजाने की बात कविता में की गई है?

i. स्नेह का बिगुल ☐ ii. दुश्मन का बिगुल ☐ iii. सत्य का बिगुल ☑

ख. बच्चे किसके सपूत हैं?

i. अपनी धुन के ☐ ii. भारत माता के ☑ iii. हिमगिरि के ☐

4. सही शब्द लिखकर पंक्तियाँ पूरी करो—

क. अपने ------ प्रण ------ पर ------ अटल ------ सदा हम,

------ संकट ------ से कब डरे ------ भला ------ हम।

ख. हिमगिरि-से ---------- अड़ ---------- जाएँगे,

हम ---------- गीत ---------- देश के गाएँगे।

संकट	गीत
प्रण	अड़
भला	अटल

इन पर विचार करो

1. आप अपने देश के बारे में क्या सोचते हैं? कक्षा में अपने विचार बताइए।
2. आपको अपने देश की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है और क्यों? मित्र-मंडली में इस विषय पर एक-दूसरे के विचार जानिए।

प्रशंसा-योग्य

- कविता में अपनी धुन के पक्के बच्चे सत्य के पथ पर बढ़ना चाहते हैं। बच्चे निडर हैं और इसी के बल पर सफलता हासिल करते हुए वे अच्छे कार्यों से भारत का मस्तक गर्व से ऊँचा करेंगे।

जानी-अनजानी बातें

जवाहरलाल नेहरू का जन्म-दिवस 14 नवंबर 'बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। नेहरू जी बच्चों से बेहद प्यार करते थे और यही कारण था कि बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहकर बुलाते थे। एक बार चाचा नेहरू से मिलने एक सज्जन आए। बातचीत के दौरान उन्होंने नेहरू जी से पूछा, "पंडित जी, आप सत्तर साल के हो गए हैं लेकिन हमेशा बच्चों की तरह तरोताज़ा दिखते हैं, जबकि आयु में आपसे छोटा होते हुए भी मैं बूढ़ा दिखता हूँ।" नेहरू जी ने मुसकराते हुए जवाब दिया कि इसके तीन कारण हैं—

1. मैं बच्चों को बहुत प्यार करता हूँ और उनके साथ खेलने की कोशिश करता हूँ। इससे मैं अपने आपको उनके जैसा ही महसूस करता हूँ।
2. मैं प्रकृति-प्रेमी हूँ। मैं पेड़-पौधों, पक्षी, पहाड़, नदी, झरनों, चाँद-सितारों से बहुत प्यार करता हूँ। मैं इनके साथ जीता हूँ, जिससे ये मुझे तरोताज़ा रखते हैं।
3. अधिकांश लोग सदैव छोटी-छोटी बातों में उलझे रहते हैं और उनके बारे में सोच-सोचकर दिमाग खराब करते हैं। मेरा नज़रिया अलग है और मुझपर छोटी-छोटी बातों का कोई असर नहीं होता।

यह कहकर नेहरू जी बच्चों की तरह खिलखिलाकर हँस पड़े।

भाषा से

श्रुतलेख

नन्हे, बच्चे, पक्के, ध्वजा, फहराएँगे, बिगुल, प्रण, दुश्मन, हिमगिरि

1. देखो, समझो और एक-एक शब्द बनाओ—

क. च्चे – बच्चे सच्चे

ख. ध्व – ध्वज ध्वनि

ग. क्के – पक्के धक्के

घ. त्य – सत्य त्याग

2. दी गई में वर्ग-पहेली से पर्यायवाची शब्द ढूँढ़कर लिखो—

क. ध्वज – पताका

ख. भय – डर

ग. सत्य – सच

घ. गीत – गाना

ङ. हिमगिरि – हिमालय

च. देश – राष्ट्र

गा	ना	ड	हि
प	ख	र	मा
ता	रा	ष्ट्र	ल
का	स	च	य

3. दी गई पंक्तियों में से संज्ञा शब्द ढूँढ़कर लिखो—

क. हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं। – बच्चे

ख. हम देश का ध्वज फहराएँगे। – देश, ध्वज

ग. हम पर्वत के समान अटल रहेंगे। – पर्वत

घ. हम भारतमाता के सपूत हैं। – भारतमाता, सपूत

ङ. हम दुश्मन को मार भगाएँगे। – दुश्मन

4. नीचे दिए गए शब्दों का वाक्य में प्रयोग करो—

नन्हे – नन्हे बच्चे मन के सच्चे होते हैं।

अटल – मेरा इरादा अटल है।

सपूत – हम भारत माता के सपूत हैं।

अटूट – भाई-बहन का बंधन अटूट होता है।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. देश-प्रेम की भावना से ओत-प्रोत किसी कविता का गायन एवं अभिनय पूरे हाव-भाव के साथ करो।
2. देश-प्रेम को अभिव्यक्त करता एक चित्र बनाओ और अपनी अध्यापिका को दिखाओ।
3. अपने राष्ट्रीय ध्वज के बारे में क्या जानते हो? पाँच वाक्य लिखो।
4. अपने देश की किन्हीं चार विशेषताओं के बारे में कक्षा में बातचीत करो।
5. आप अपने देश के बारे में कितना जानते हैं?

सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

क. 'वन्दे मातरम्' राष्ट्रगीत किसने लिखा?

रवींद्रनाथ टैगोर ने ☐ बंकिम चंद्र चटर्जी ने ☑ लाल बहादुर शास्त्री ने ☐

ख. भारत का राष्ट्रीय वृक्ष कौन-सा है?

नीम का वृक्ष ☐ बरगद का वृक्ष ☑ केले का वृक्ष ☐

ग. हमारा देश कब आज़ाद हुआ?

सन 1950 में ☐ सन 1984 में ☐ सन 1947 में ☑

घ. भारत के पहले प्रधानमंत्री कौन थे?

लाल बहादुर शास्त्री ☐ महात्मा गांधी ☐ पंडित जवाहरलाल नेहरू ☑

हमने क्या सीखा

1. मेहनत और दृढ़-निश्चय से कोई भी लक्ष्य पाना मुश्किल नहीं। ☐
2. निडरता से ही सफलता हासिल की जा सकती है। ☐
3. आज के होनहार बच्चे ही भारत का उन्नत भविष्य हैं। ☐
4. हमारे मन में स्वयं को देश के लिए समर्पित कर देने की भावना होनी चाहिए। ☐